

* श्री गणेशाय नमः *

श्रीराम प्रेस पुस्तकमाला का प्रथम पुष्प

दोहा मणिमाला

किया जारहा आजकल जो साहित्य प्रचार ।
द्रव्य हेत अति अल्प वो जो करसके सुधार ॥



सुलो हुई लेखकों की इस प्रकार की खानि ।
तभी उच्च साहित्यका हो न उचित सन्मान ॥

जुना हुआ बागीश का स्वाभाविक कविराज ।

रहित करता रहे शुभ समाज का काज ॥

सर्वाधिकार सुरक्षित

लेखक और प्रकाशक

न चतुर्वेदी, औरैया (इटावा)

प्रथमवार] सम्बत् २०१२ वि० [मूल्य ३)